04 संधि
(Joining)

➢ दो समीपवर्ती वर्णों के मेल से जो विकार *(परिवर्तन)* होता है, वह संधि कहलाता है। संधि में पहले शब्द के अंतिम वर्ण एवं दूसरे शब्द के आदि वर्ण का मेल होता है।

उदाहरण : देव + आलय = देवालय
जगत् + नाथ = जगन्नाथ
मनः + योग = मनोयोग

➢ संधि के नियमों द्वारा मिले वर्णों को फिर मूल अवस्था में ले आने को संधि-विच्छेद कहते हैं।

उदाहरण : परीक्षार्थी = परीक्षा + अर्थी
वागीश = वाक् + ईश
अंतःकरण = अंतः + करण

संधि के भेद

संधि के पहले वर्ण के आधार पर संधि के तीन भेद किये जाते हैं—स्वर-संधि, व्यंजन-संधि व विसर्ग-संधि। संधि का पहला वर्ण यदि स्वर वर्ण हो तो 'स्वर संधि' *(जैसे—नव + आगत = नवागत; संधि का पहला वर्ण 'व'—अ-स्वरवाला है)*, संधि का पहला वर्ण यदि व्यंजन वर्ण हो तो 'व्यंजन संधि' *(जैसे—वाक् + ईश = वागीश, संधि का पहला वर्ण 'क्' व्यंजन वर्ण है)* एवं संधि का पहला वर्ण यदि विसर्गयुक्त हो तो 'विसर्ग संधि' *(जैसे—मनः + रथ = मनोरथ, संधि का पहला वर्ण 'नः' विसर्गयुक्त है)* होता है।

स्वर-संधि

स्वर-संधि : स्वर के बाद स्वर अर्थात् दो स्वरों के मेल से जो विकार *(परिवर्तन)* होता है, स्वर-संधि कहलाता है; जैसे—

सूर्य + अस्त = सूर्यास्त महा + आत्मा = महात्मा

➢ स्वर संधि के निम्नलिखित पाँच भेद हैं—

1. दीर्घ-संधि, 2. गुण-संधि, 3. वृद्धि-संधि,
4. यण-संधि और 5. अयादि-संधि।

नोट : *आ ई ऊ को 'दीर्घ', अ ए ओ को 'गुण', ऐ औ को 'वृद्धि', य र ल व को 'यण्' एवं अय आय अव आव....को 'अयादि' (अय + आदि) कहते हैं।*

1. *दीर्घ-संधि* : ह्रस्व या दीर्घ 'अ', 'इ', 'उ', के पश्चात क्रमशः ह्रस्व या दीर्घ 'अ', 'इ', 'उ' स्वर आएँ तो दोनों को मिलाकर दीर्घ 'आ', 'ई', 'ऊ' हो जाते हैं; जैसे—

अ + अ = आ	धर्म	+	अर्थ	=	धर्मार्थ
	स्व	+	अर्थी	=	स्वार्थी
	देव	+	अर्चन	=	देवार्चन
	वीर	+	अंगना	=	वीरांगना
	मत	+	अनुसार	=	मतानुसार
अ + आ = आ	देव	+	आलय	=	देवालय
	नव	+	आगत	=	नवागत
	सत्य	+	आग्रह	=	सत्याग्रह
	देव	+	आगमन	=	देवागमन
आ + अ = आ	परीक्षा	+	अर्थी	=	परीक्षार्थी
	सीमा	+	अंत	=	सीमांत
	दिशा	+	अंतर	=	दिशांतर
	रेखा	+	अंश	=	रेखांश
आ + आ = आ	महा	+	आत्मा	=	महात्मा
	विद्या	+	आलय	=	विद्यालय
	वार्ता	+	आलाप	=	वार्तालाप
	महा	+	आनंद	=	महानंद
इ + इ = ई	अति	+	इव	=	अतीव
	कवि	+	इंद्र	=	कवींद्र
	मुनि	+	इंद्र	=	मुनींद्र
	कपि	+	इंद्र	=	कपींद्र
	रवि	+	इंद्र	=	रवींद्र
इ + ई = ई	गिरि	+	ईश	=	गिरीश
	परि	+	ईक्षा	=	परीक्षा
	मुनि	+	ईश्वर	=	मुनीश्वर
	हरि	+	ईश	=	हरीश
ई + इ = ई	मही	+	इंद्र	=	महींद्र
	योगी	+	इंद्र	=	योगींद्र
	शची	+	इंद्र	=	शचींद्र
	लक्ष्मी	+	इच्छा	=	लक्ष्मीच्छा
ई + ई = ई	रजनी	+	ईश	=	रजनीश
	योगी	+	ईश्वर	=	योगीश्वर
	जानकी	+	ईश	=	जानकीश
	नारी	+	ईश्वर	=	नारीश्वर
उ + उ = ऊ	भानु	+	उदय	=	भानूदय
	विधु	+	उदय	=	विधूदय
	गुरु	+	उपदेश	=	गुरूपदेश
	लघु	+	उत्तर	=	लघूत्तर
उ + ऊ = ऊ	लघु	+	ऊर्मि	=	लघूर्मि
	धातु	+	ऊष्मा	=	धातूष्मा
	सिंधु	+	ऊर्मि	=	सिंधूर्मि
	साधु	+	ऊर्जा	=	साधूर्जा
ऊ + उ = ऊ	वधू	+	उत्सव	=	वधूत्सव
	भू	+	उत्सर्ग	=	भूत्सर्ग
	वधू	+	उपकार	=	वधूपकार
	भू	+	उद्धार	=	भूद्धार
ऊ + ऊ = ऊ	सरयू	+	ऊर्मि	=	सरयूर्मि
	भू	+	ऊष्मा	=	भूष्मा
	वधू	+	ऊर्मि	=	वधूर्मि
	भू	+	ऊर्जा	=	भूर्जा

2. गुण-संधि : यदि 'अ' और 'आ' के बाद 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' और 'ऋ' स्वर आए तो दोनों के मिलने से क्रमशः 'ए', 'ओ' और 'अर्' हो जाते हैं; जैसे—

अ + इ = ए	नर	+	इंद्र	=	नरेंद्र
	सुर	+	इंद्र	=	सुरेंद्र
	पुष्प	+	इंद्र	=	पुष्पेंद्र
	सत्य	+	इंद्र	=	सत्येंद्र
अ + ई = ए	नर	+	ईश	=	नरेश
	परम	+	ईश्वर	=	परमेश्वर
	सोम	+	ईश	=	सोमेश
	कमल	+	ईश	=	कमलेश
आ + इ = ए	रमा	+	इंद्र	=	रमेंद्र
	महा	+	इंद्र	=	महेंद्र
	यथा	+	इष्ट	=	यथेष्ट
	राजा	+	इंद्र	=	राजेंद्र
आ + ई = ए	महा	+	ईश	=	महेश
	उमा	+	ईश	=	उमेश
	राका	+	ईश	=	राकेश
	रमा	+	ईश	=	रमेश
अ + उ = ओ	वीर	+	उचित	=	वीरोचित
	मानव	+	उचित	=	मानवोचित
	पर	+	उपकार	=	परोपकार
	हित	+	उपदेश	=	हितोपदेश
अ + ऊ = ओ	सूर्य	+	ऊर्जा	=	सूर्योर्जा
	नव	+	ऊढ़ा	=	नवोढ़ा
	जल	+	ऊर्मि	=	जलोर्मि
	समुद्र	+	ऊर्मि	=	समुद्रोर्मि
आ + उ = ओ	महा	+	उदय	=	महोदय
	महा	+	उत्सव	=	महोत्सव
	महा	+	उष्मा	=	महोष्मा
	महा	+	उदधि	=	महोदधि
	गंगा	+	उदक	=	गंगोदक
आ + ऊ = ओ	दया	+	ऊर्मि	=	दयोर्मि
	महा	+	ऊर्जा	=	महोर्जा
	महा	+	ऊर्मि	=	महोर्मि
	महा	+	ऊष्मा	=	महोष्मा
अ + ऋ = अर्	देव	+	ऋषि	=	देवर्षि
	सप्त	+	ऋषि	=	सप्तर्षि
	राज	+	ऋषि	=	राजर्षि
	ब्रह्म	+	ऋषि	=	ब्रह्मर्षि
आ + ऋ = अर्	महा	+	ऋषि	=	महर्षि

3. वृद्ध संधि : 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए तो दोनों के मेल से 'ऐ' हो जाता है तथा 'अ' और 'आ' के पश्चात 'ओ' या 'औ' आए तो दोनों के मेल से 'औ' हो जाता है, जैसे—

अ + ए = ऐ	एक	+	एक	=	एकैक
	लोक	+	एषणा	=	लोकैषणा
अ + ऐ = ऐ	मत	+	ऐक्य	=	मतैक्य
	धन	+	ऐश्वर्य	=	धनैश्वर्य
आ + ए = ऐ	सदा	+	एव	=	सदैव
	तथा	+	एव	=	तथैव
आ + ऐ = ऐ	महा	+	ऐश्वर्य	=	महैश्वर्य
अ + ओ = औ	वन	+	ओषधि	=	वनौषधि
	दंत	+	ओष्ठ	=	दंतौष्ठ
अ + औ = औ	परम	+	औदार्य	=	परमौदार्य
	परम	+	औषध	=	परमौषध
आ + ओ = औ	महा	+	ओजस्वी	=	महौजस्वी
	महा	+	ओज	=	महौज
आ + औ = औ	महा	+	औषध	=	महौषध
	महा	+	औदार्य	=	महौदार्य

4. यण संधि : यदि 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' के बाद भिन्न स्वर आए तो 'इ' और 'ई' का 'य', 'उ' और 'ऊ' का 'व' तथा 'ऋ' का 'र्' हो जाता है, जैसे—

इ + अ = य	अति	+	अधिक	=	अत्यधिक
	यदि	+	अपि	=	यद्यपि
इ + आ = या	इति	+	आदि	=	इत्यादि
	अति	+	आचार	=	अत्याचार
इ + उ = यु	उपरि	+	उक्त	=	उपर्युक्त
	अति	+	उत्तम	=	अत्युत्तम
	प्रति	+	उपकार	=	प्रत्युपकार
इ + ऊ = यू	नि	+	ऊन	=	न्यून
	वि	+	ऊह	=	व्यूह
इ + ए = ये	प्रति	+	एक	=	प्रत्येक
	अभि	+	एषणा	=	अभ्येषणा
ई + आ = या	देवी	+	आगमन	=	देव्यागमन
	सखी	+	आगमन	=	सख्यागमन
ई + ऐ = यै	सखी	+	ऐश्वर्य	=	सख्यैश्वर्य
	नदी	+	ऐश्वर्य	=	नद्यैश्वर्य
उ + अ = व	सु	+	अच्छ	=	स्वच्छ
	अनु	+	अय	=	अन्वय
उ + आ = वा	सु	+	आगत	=	स्वागत
	मधु	+	आलय	=	मध्वालय
उ + इ = वि	अनु	+	इति	=	अन्विति
	अनु	+	इत	=	अन्वित
उ + ए = वे	प्रभु	+	एषणा	=	प्रभ्वेषणा
	अनु	+	एषण	=	अन्वेषण
उ + ओ = वो	गुरु	+	ओदन	=	गुर्वोदन
ऊ + आ = वा	वधू	+	आगमन	=	वध्वागमन
	भू	+	आदि	=	भ्वादि
ऋ + अ = र	पितृ	+	अनुमति	=	पित्रनुमति
ऋ + आ = रा	मातृ	+	आज्ञा	=	मात्राज्ञा
	पितृ	+	आज्ञा	=	पित्राज्ञा
ऋ + इ = रि	मातृ	+	इच्छा	=	मात्रिच्छा
	पितृ	+	इच्छा	=	पित्रिच्छा

5. अयादि संधि : यदि 'ए', 'ऐ', 'ओ', 'औ' स्वरों का मेल दूसरे स्वरों से हो तो 'ए' का 'अय', 'ऐ' का 'आय', 'ओ' का 'अव' तथा 'औ' का 'आव' के रूप में परिवर्तन हो जाता है, जैसे—

ए + अ = अय	ने	+	अन	=	नयन

ऐ + अ = आय	नै	+	अक	=	नायक
	गै	+	अक	=	गायक
	गै	+	अन	=	गायन
ऐ + इ = आयि	नै	+	इका	=	नायिका
	गै	+	इका	=	गायिका
ओ + अ = अव	पो	+	अन	=	पवन
	भो	+	अन	=	भवन
	श्रो	+	अन	=	श्रवण
ओ + इ = अवि	पो	+	इत्र	=	पवित्र
	गो	+	इनि	=	गविनी
ओ + ई = अवी	गो	+	ईश	=	गवीश
औ + अ = आव	पौ	+	अन	=	पावन
	पौ	+	अक	=	पावक
	भौ	+	अन	=	भावन
औ + इ = आवि	नौ	+	इक	=	नाविक
	भौ	+	इनि	=	भाविनी
औ + उ = आवु	भौ	+	उक	=	भावुक

विशेष : *इस संधि का प्रयोग संस्कृत में होता है। इन शब्दों को हिंदी में संधियुक्त नहीं माना जाता। ये शब्द केवल व्यवहृत माने जाते हैं। हिन्दी में इन शब्दों की गिनती रूढ़ शब्दों में होती है।*

व्यंजन-संधि

व्यंजन-संधि : व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन आने से जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन-संधि कहते हैं; जैसे—

वाक्	+	ईश	=	वागीश *(क् + ई = गी)*
सत्	+	जन	=	सज्जन *(त् + ज = ज्ज)*
उत्	+	हार	=	उद्धार *(त् + ह = द्ध)*

नोट : *व्यंजन का शुद्ध रूप हल् वाला रूप (जैसे— क् ख् ग्...) होता है।*

व्यंजन-संधि के नियम

1 वर्ग के पहले वर्ण का तीसरे वर्ण में परिवर्तन : किसी वर्ग के पहले वर्ण *(क् च् ट् त् प्)* का मेल किसी स्वर अथवा किसी वर्ग के तीसरे वर्ण *(ग ज ड द ब)* या चौथे वर्ण *(घ झ ढ ध भ)* अथवा अंतःस्थ व्यंजन *(य र ल व)* के किसी वर्ण से होने पर वर्ग का पहला वर्ण अपने ही वर्ग के तीसरे वर्ण *(ग् ज् ड् द् ब्)* में परिवर्तित हो जाता है; जैसे—

क् का ग् होना :	दिक्	+	गज	=	दिग्गज
	दिक्	+	अंत	=	दिगंत
	दिक्	+	विजय	=	दिग्विजय
	वाक्	+	ईश	=	वागीश
च् का ज् होना :	अच्	+	अंत	=	अजंत
	अच्	+	आदि	=	अजादि
ट् का ड् होना :	षट्	+	आनन	=	षडानन
	षट्	+	रिपु	=	षड्रिपु
त् का द् होना :	भगवत्	+	भजन	=	भगवद्भजन
	उत्	+	योग	=	उद्योग
	सत्	+	भावना	=	सद्भावना
	सत्	+	गुण	=	सद्गुण
प् का ब् होना :	अप्	+	ज	=	अब्ज
	अप्	+	धि	=	अब्धि
	सुप	+	अंत	=	सुबंत

2. वर्ग के पहले वर्ण का पाँचवें वर्ण में परिवर्तन : यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण *(क् च् ट् त् प्)* का मेल किसी अनुनासिक वर्ण (वस्तुतः केवल न म) से हो तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ वर्ण *(ङ् ञ् ण् न् म्)* हो जाता है, जैसे—

क् का ङ् होना :	वाक्	+	मय	=	वाङ्मय
ट् का ण् होना :	षट्	+	मुख	=	षण्मुख
त् का न् होना :	उत्	+	मत्त	=	उन्मत्त
	तत्	+	मय	=	तन्मय
	चित्	+	मय	=	चिन्मय
	जगत्	+	नाथ	=	जगन्नाथ

3. 'छ' संबंधी नियम : किसी भी ह्रस्व स्वर या 'आ' का 'छ' से होने पर 'छ' से पहले 'च्' जोड़ दिया जाता है; जैसे—

स्व	+	छंद	= स्वच्छंद
परि	+	छेद	= परिच्छेद
अनु	+	छेद	= अनुच्छेद
वि	+	छेद	= विच्छेद

4. त् संबंधी नियम :

(i) 'त्' के बाद यदि 'च', 'छ' हो तो 'त्' का 'च्' हो जाता है; जैसे—

उत्	+	चारण	= उच्चारण
उत्	+	चरित	= उच्चरित
जगत्	+	छाया	= जगच्छाया
सत्	+	चरित्र	= सच्चरित्र

(ii) 'त्' के बाद यदि 'ज', 'झ' हो तो 'त्' 'ज्' में बदल जाता है; जैसे—

सत्	+	जन	= सज्जन
जगत्	+	जननी	= जगज्जननी
विपत्	+	जाल	= विपज्जाल
उत्	+	ज्वल	= उज्ज्वल
उत्	+	झटिका	= उज्झटिका

(iii) 'त्' के बाद यदि 'ट', 'ड' हो तो 'त्', क्रमशः 'ट्' 'ड्' में बदल जाता है; जैसे—

बृहत्	+	टीका	= बृहट्टीका
उत्	+	डयन	= उड्डयन

(iv) 'त्' के बाद यदि 'ल' हो तो 'त्', 'ल्' में बदल जाता है; जैसे—

उत्	+	लास	= उल्लास
तत्	+	लीन	= तल्लीन
उत्	+	लेख	= उल्लेख

(v) 'त्' के बाद यदि 'श्' हो तो 'त्' का 'च्' और 'श्' का 'छ्' हो जाता है; जैसे—

उत्	+	श्वास	= उच्छ्वास
सत्	+	शास्त्र	= सच्छास्त्र

(vi) 'त्' के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' के स्थान पर 'द्' और 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाता है; जैसे—

तत्	+	हित	= तद्धित
उत्	+	हार	= उद्धार
उत्	+	हत	= उद्धत
उत्	+	हृत	= उद्धृत

5. 'न' संबंधी नियम : यदि 'ऋ', 'र', 'ष' के बाद 'न' व्यंजन आता है तो 'न' का 'ण' हो जाता है; जैसे—

परि	+	नाम	= परिणाम
प्र	+	मान	= प्रमाण
राम	+	अयन	= रामायण
भूष	+	अन	= भूषण

6. 'म' संबंधी नियम :

(i) 'म्' का मेल 'क' से 'म' तक के किसी भी व्यंजन वर्ग से होने पर 'म्' उसी वर्ग के पंचमाक्षर *(अनुस्वार)* में बदल जाता है; जैसे—

सम्	+	कलन	= संकलन
सम्	+	गति	= संगति
सम्	+	चय	= संचय
परम्	+	तु	= परंतु
सम्	+	पूर्ण	= संपूर्ण

(ii) 'म्' का मेल यदि 'य', 'र', 'ल', 'व', 'श', 'ष', 'स', 'ह' से हो तो 'म्' सदैव अनुस्वार ही होता है; जैसे—

सम्	+	योग	= संयोग
सम्	+	रक्षक	= संरक्षक
सम्	+	लाप	= संलाप
सम्	+	विधान	= संविधान
सम्	+	शय	= संशय
सम्	+	सार	= संसार
सम्	+	हार	= संहार

(iii) 'म्' के बाद 'म' आने पर कोई परिवर्तन नहीं होता; जैसे—

सम्	+	मान	= सम्मान
सम्	+	मति	= सम्मति

विशेष : *आजकल सुविधा के लिए पंचमाक्षर के स्थान पर प्रायः अनुस्वार का ही प्रयोग होता है।*

7. 'स' संबंधी नियम : 'स' से पहले 'अ', 'आ' से भिन्न स्वर हो तो 'स' का 'ष' हो जाता है; जैसे—

वि	+	सम	= विषम
वि	+	साद	= विषाद
सु	+	समा	= सुषमा

विसर्ग-संधि

विसर्ग-संधि : विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार होता है, उसे विसर्ग-संधि कहते हैं, जैसे—

निः	+	आहार	= निराहार
दुः	+	आशा	= दुराशा
तपः	+	भूमि	= तपोभूमि
मनः	+	योग	= मनोयोग

विसर्ग-संधि के प्रमुख नियम

1 विसर्ग का 'ओ' हो जाता है : यदि विसर्ग के पहले 'अ' और बाद में 'अ' अथवा प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ वर्ण अथवा 'य', 'र', 'ल', 'व', 'ह' हो तो विसर्ग का 'ओ' हो जाता है; जैसे—

मनः	+	अनुकूल	= मनोनुकूल	अधः	+	गति	= अधोगति
तपः	+	बल	= तपोबल	वयः	+	वृद्ध	= वयोवृद्ध
तपः	+	भूमि	= तपोभूमि	पयः	+	द	= पयोद
पयः	+	धन	= पयोधन	मनः	+	रथ	= मनोरथ
मनः	+	योग	= मनोयोग	मनः	+	हर	= मनोहर

अपवाद : पुनः एवं अंतः में विसर्ग का र् हो जाता है; जैसे—

पुनः	+	मुद्रण	= पुनर्मुद्रण	पुनः	+	जन्म	= पुनर्जन्म
अंतः	+	धान	= अंतर्धान	अंतः	+	अग्नि	= अंतरग्नि

2. विसर्ग का 'र्' हो जाता है : यदि विसर्ग के पहले 'अ', 'आ' को छोड़ कर कोई दूसरा स्वर हो और बाद में 'आ', 'उ', 'ऊ' या तीसरा, चौथा, पाँचवाँ वर्ण या 'य', 'र', 'ल', 'व' में से कोई हो तो विसर्ग का 'र्' हो जाता है; जैसे—

निः	+	आशा	= निराशा
निः	+	धन	= निर्धन
निः	+	बल	= निर्बल
निः	+	जन	= निर्जन
आशीः	+	वाद	= आशीर्वाद
दुः	+	बल	= दुर्बल
दुः	+	जन	= दुर्जन
निः	+	धारण	= निर्धारण
दुः	+	उपयोग	= दुरुपयोग
दुः	+	ऊह	= दुरुह
बहिः	+	मुख	= बहिर्मुख

3. विसर्ग का 'श्' हो जाता है : यदि विसर्ग के पहले कोई स्वर हो और बाद में 'च', 'छ' या 'श' हो तो विसर्ग का 'श्' हो जाता है; जैसे—

निः	+	चिंत	= निश्चिंत
निः	+	छल	= निश्छल
दुः	+	शासन	= दुश्शासन
दुः	+	चरित्र	= दुश्चरित्र

4. विसर्ग का 'ष्' हो जाता है : विसर्ग के पहले 'इ', 'उ' और बाद में 'क', 'ख', 'ट', 'ठ', 'प', 'फ' में से कोई वर्ण हो तो विसर्ग का 'ष्' हो जाता है; जैसे—

निः	+	कपट	= निष्कपट
निः	+	कंटक	= निष्कंटक
धनुः	+	टंकार	= धनुष्टंकार
निः	+	ठुर	= निष्ठुर
निः	+	प्राण	= निष्प्राण
निः	+	फल	= निष्फल

अपवाद : दुः + ख = दुःख

5. विसर्ग का 'स्' हो जाता है : विसर्ग के बाद यदि 'त' या 'थ' हो तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है; जैसे—

नमः	+	ते	= नमस्ते	निः	+	तेज	= निस्तेज
मनः	+	ताप	= मनस्ताप	निः	+	संताप	= निस्संताप
दुः	+	तर	= दुस्तर	दुः	+	साहस	= दुस्साहस

6. विसर्ग का लोप हो जाना :

(i) यदि विसर्ग के बाद 'छ' हो तो विसर्ग लुप्त हो जाता है और 'च' का आगम हो जाता है; जैसे—

अनुः	+	छेद	= अनुच्छेद
छत्रः	+	छाया	= छत्रच्छाया

(ii) यदि विसर्ग के बाद 'र' हो तो विसर्ग लुप्त हो जाता है और उस के पहले का स्वर दीर्घ हो जाता है; जैसे—

निः	+	रोग	= नीरोग
निः	+	रस	= नीरस

(iii) यदि विसर्ग से पहले 'अ' या 'आ' हो और विसर्ग के बाद कोई भिन्न स्वर हो तो विसर्ग का लोप हो जाता है; जैसे—

अतः	+	एव	= अतएव

7. विसर्ग में परिवर्तन न होना : यदि विसर्ग के पूर्व 'अ' हो तथा बाद में 'क' या 'प' हो तो विसर्ग में परिवर्तन नहीं होता; जैसे—

प्रातः	+	काल	=	प्रातःकाल
अंतः	+	करण	=	अंतःकरण
अंतः	+	पुर	=	अंतःपुर
अधः	+	पतन	=	अधःपतन

अपवाद : नमः एवं पुरः में विसर्ग का स् हो जाता है; जैसे—

नमः	+	कार	=	नमस्कार
पुरः	+	कार	=	पुरस्कार

हिन्दी की कुछ विशेष संधियाँ

संस्कृत की संधियों के अतिरिक्त हिंदी की कुछ विशेष संधियाँ हैं। इनके नियम अभी तक स्पष्ट नहीं हैं तथापि कुछ का परिचय निम्नलिखित है—

1. 'आ' का 'अ' हो जाना

आम	+	चूर	=	अमचूर
हाथ	+	कड़ी	=	हथकड़ी
राज	+	वाड़ा	=	रजवाड़ा
लड़का	+	पन	=	लड़कपन
कान	+	कटा	=	कनकटा

2. 'इ', 'ई' के स्थान पर 'इय्' हो जाता है

शक्ति	+	आँ	=	शक्तियाँ
देवी	+	आँ	=	देवियाँ

3. 'ई', 'ऊ' का क्रम से 'इ', 'उ' हो जाना

नदी	+	आँ	=	नदियाँ
वधू	+	एँ	=	वधुएँ

4. 'ह' का 'भ'

'जब', 'तब', 'कब', 'सब', 'अब' आदि शब्दों के पीछे 'ही' आने पर 'ही' के 'ह' का 'भ' हो जाता है; जैसे—

जब	+	ही	=	जभी
कब	+	ही	=	कभी
तब	+	ही	=	तभी
सब	+	ही	=	सभी

5. 'ह' का लोप—

(i) कभी-कभी कुछ शब्दों की संधि होने पर किसी एक ध्वनि का लोप हो जाता है, जैसे 'ही' में 'ह्' का लोप हो जाता है; जैसे—

यह	+	ही	=	यही
किस	+	ही	=	किसी
वह	+	ही	=	वही
उस	+	ही	=	उसी

(ii) कभी-कभी दोनों ध्वनियों में भी लोप हो जाता है। पहले शब्द से 'आ' स्वर का तथा दूसरे से 'ह' व्यंजन का लोप हो जाता है और अनुनासिकता दूसरे स्वर पर पहुँच जाती है; जैसे—

वहाँ	+	ही	=	वहीं
कहाँ	+	ही	=	कहीं
यहाँ	+	ही	=	यहीं
जहाँ	+	ही	=	जहीं

संधि-विच्छेद

विशेष : *नीचे सारणी में किसी-किसी शब्द (जैसे—नवोऽकु में ऽ चिह्न का प्रयोग किया गया है जो लुप्त अकार का चि है।*

(अ, आ, इ, ...)

अंतःकरण	=	अंतः	+	करण		
अंतःपुर	=	अंतः	+	पुर		
अन्वय	=	अनु	+	अय		
अन्वेषण	=	अनु	+	एषण		
अन्वेषक	=	अनु	+	एषक		
अन्तर्निहित	=	अन्तः	+	निहित		
अन्तर्गत	=	अन्तः	+	गत		
अन्तस्तल	=	अंतः	+	तल		
अन्तर्धान	=	अन्तः	+	धान		
अन्योन्याश्रय	=	अन्य	+	अन्य	+	आश्रय
अन्योक्ति	=	अन्य	+	उक्ति		
अण्डाकार	=	अण्ड	+	आकार		
अनायास	=	अन्	+	आयास		
अधपका	=	आधा	+	पका		
अन्वित	=	अनु	+	इत		
अनुचित	=	अन्	+	उचित		
अनूप	=	अन्	+	ऊप		
अनुपमेय	=	अन्	+	उपमेय		
अन्तर्राष्ट्रीय	=	अन्तः	+	राष्ट्रीय		
अनंग	=	अन्	+	अंग		
अनन्त	=	अन्	+	अंत		
अजन्त	=	अच्	+	अन्त		
अनन्य	=	अन्	+	अन्य		
अत्यन्त	=	अति	+	अंत		
अत्यधिक	=	अति	+	अधिक		
अतएव	=	अतः	+	एव		
अध्याय	=	अधि	+	आय		
अध्ययन	=	अधि	+	अयन		
अधीश	=	अधि	+	ईश		
अधीश्वर	=	अधि	+	ईश्वर		
अधिकांश	=	अधिक	+	अंश		
अधोगति	=	अधः	+	गति		
अधरोष्ठ	=	अधर	+	ओष्ठ		
अब्ज	=	अप्	+	ज		
अब्भूति	=	अप्	+	भूति		
अवच्छेद	=	अव	+	छेद		
अभ्यस्त	=	अभि	+	अस्त		
अभ्यागत	=	अभि	+	आगत		
अभिषेक	=	अभि	+	सेक		
अभीष्ट	=	अभि	+	इष्ट		
अम्मय	=	अप्	+	मय		
अस्तित्व	=	अस्ति	+	त्व		
अह्र्गण	=	अहर्	+	गण		
अहंकार	=	अहम्	+	कार		
अहर्मुख	=	अहर्	+	मुख		
अहोरूप	=	अहः	+	रूप		

अज्ञानांधकार	=	अज्ञान	+	अंधकार
अरण्याच्छादित	=	अरण्य	+	आच्छादित
आकृष्ट	=	आकृष्	+	त
आश्चर्य	=	आः	+	चर्य
आशोन्मुख	=	आशा	+	उन्मुख
आविष्कार	=	आविः	+	कार
आशीर्वाद	=	आशीः	+	वाद
इत्यादि	=	इति	+	आदि
आत्मावलम्बन	=	आत्मा	+	अवलम्बन
आच्छादन	=	आ	+	छादन
आत्मोत्सर्ग	=	आत्म	+	उत्सर्ग
आध्यात्मिक	=	आधि	+	आत्मिक
इतस्ततः	=	इतः	+	ततः
उच्चारण	=	उत्	+	चारण
उच्छवास	=	उत्	+	श्वास
उच्छिष्ट	=	उत्	+	शिष्ट
उच्छिन्न	=	उत्	+	छिन्न
उद्भिज	=	उत्	+	भिज
उज्ज्वल	=	उत्	+	ज्वल
उद्यान	=	उत्	+	यान
उद्याम	=	उत्	+	याम
उड्डयन	=	उत्	+	डयन
उत्कृष्ट	=	उत्कृष्	+	त
उत्कर्षापकर्ष	=	उत्कर्ष	+	अपकर्ष
उत्तमोत्तम	=	उत्तम	+	उत्तम
उत्तेजना	=	उत्	+	तेजना
उत्तरोत्तर	=	उत्तर	+	उत्तर
उद्योग	=	उत्	+	योग
उदय	=	उत्	+	अय
उद्गम	=	उत्	+	गम
उद्धार	=	उत्	+	हार
उदयोन्मुख	=	उदय	+	उन्मुख
उद्घाटन	=	उत्	+	घाटन
उद्वेग	=	उत्	+	वेग
उद्देश्य	=	उत्	+	देश्य
उद्धरण	=	उत्	+	हरण
उदाहरण	=	उत्	+	आहरण
उद्भव	=	उत्	+	भव
उद्धत	=	उत्	+	हत
उद्भाषित	=	उत्	+	भाषित
उन्नति	=	उत्	+	नति
उन्मूलित	=	उत्	+	मूलित
उन्नयन	=	उत्	+	नयन
उन्नायक	=	उत्	+	नायक
उन्मत्त	=	उत्	+	मत्त
उद्विग्न	=	उत्	+	विग्न
उपास्य	=	उप	+	आस्य
उपेक्षा	=	उप	+	ईक्षा
उपर्युक्त	=	उपरि	+	उक्त
उपयोगिता	=	उप	+	योगिता
उपदेशक	=	उप	+	देशक
उपाधि	=	उप	+	आधि
उपासना	=	उप	+	आसना
उल्लंघन	=	उत्	+	लंघन
उल्लेख	=	उत्	+	लेख
ऊहापोह	=	ऊह	+	अपोह
उपदेशान्तर्गत	=	उपदेश	+	अन्तः + गत
एकाकार	=	एक	+	आकार
एकाध	=	एक	+	आध
एकासन	=	एक	+	आसन
एकोनविंश	=	एक	+	ऊनविंश
एकैक	=	एक	+	एक
एकान्त	=	एक	+	अंत

(क वर्ग)

कंठोष्ठ्य	=	कंठ	+	ओष्ठ्य
कपिलेश्वर	=	कपिल	+	ईश्वर
कपीश	=	कपि	+	ईश
कवीन्द्र	=	कवि	+	इन्द्र
कवीश्वर	=	कवि	+	ईश्वर
कपीश्वर	=	कपि	+	ईश्वर
कल्पांत	=	कल्प	+	अंत
कालान्तर	=	काल	+	अंतर
किंचित्	=	किम्	+	चित्
किंवा	=	किम्	+	वा
किन्तु	=	किम्	+	तु
कूपोदक	=	कूप	+	उदक
कुशाग्र	=	कुश	+	अग्र
कुशासन	=	कुश	+	आसन
कुसुमायुध	=	कुसुम	+	आयुध
कुठाराघात	=	कुठार	+	आघात
कोणार्क	=	कोण	+	अर्क
क्रोधान्ध	=	क्रोध	+	अंध
कोषाध्यक्ष	=	कोष	+	अध्यक्ष
कौमी	=	कौम	+	ई
कृतान्त	=	कृत	+	अंत
कीटाणु	=	कीट	+	अणु
खगासन	=	खग	+	आसन
खटमल	=	खाट	+	मल
गवीश	=	गो	+	ईश
गणेश	=	गण	+	ईश
गंगौघ	=	गंगा	+	ओघ
गंगोदक	=	गंगा	+	उदक
गंगैश्वर्य	=	गंगा	+	ऐश्वर्य
ग्रामोद्धार	=	ग्राम	+	उद्धार
गायन	=	गै	+	अन
गिरीन्द्र	=	गिरि	+	इन्द्र
गुडाकेश	=	गुडाका	+	ईश
गुप्पचति	=	गुब्	+	पचति
गिरीश	=	गिरि	+	ईश
घड़घड़ाहट	=	घड़घड़	+	आहट
घनानंद	=	घन	+	आनंद
घुड़दौड़	=	घोड़ा	+	दौड़

(च वर्ग)

चतुरानन	=	चतुर्	+	आनन		
चतुर्भुज	=	चतुः	+	भुज		
चतुर्दिक	=	चतुः	+	दिक्		
चतुरंग	=	चतुः	+	अंग		
चन्द्रोदय	=	चन्द्र	+	उदय		
चिन्मय	=	चित्	+	मय		
चूड़ान्त	=	चूड़ा	+	अंत		
चिन्ताक्रान्त	=	चिंता	+	आक्रान्त		
छिद्रान्वेषी	=	छिद्र	+	अनु	+	एषी
छुटपन	=	छोटा	+	पन		
छुटभैया	=	छोटा	+	भैया		
जगदीश	=	जगत्	+	ईश		
जगदीन्द्र	=	जगत्	+	इन्द्र		
जगज्जय	=	जगत्	+	जय		
जगन्नियन्ता	=	जगत्	+	नियन्ता		
जगद्बन्धु	=	जगत्	+	बन्धु		
जगन्नाथ	=	जगत्	+	नाथ		
जनतैक्य	=	जनता	+	ऐक्य		
जनतौत्सुक्य	=	जनता	+	औत्सुक्य		
ज्योतिर्मठ	=	ज्योतिः	+	मठ		
जलौघ	=	जल	+	ओघ		
जानकीश	=	जानकी	+	ईश		
जागृतावस्था	=	जागृत	+	अवस्था		
जात्यभिमानी	=	जाति	+	अभिमानी		
जीवनानुकूल	=	जीवन	+	अनुकूल		
जीवनोपयोगी	=	जीवन	+	उपयोगी		
जीवनोपार्जन	=	जीवन	+	उपार्जन		
जीविकार्थ	=	जीविका	+	अर्थ		
झंडोत्तोलन	=	झंडा	+	उत्तोलन		
झगड़ालू	=	झगड़ा	+	आलू		
झड़बेरी	=	झाड़	+	बेड़		

(ट वर्ग)

टुकड़तोड़	=	टुकड़ा	+	तोड़		
टुटपूँजिया	=	टूटी	+	पूँजी		
ठाढ़ेश्वरी	=	ठाढ़ा	+	ईश्वरी		
ठकुरसुहाती	=	ठाकुर	+	सुहाना		
डंडपेल	=	डंड	+	पेलना		
डिठौना	=	डीठ	+	औना		
ढँढोरिया	=	ढँढोरा	+	इया		
ढकोसला	=	ढंक	+	कौशल		

(त वर्ग)

तज्जय	=	तत्	+	जय		
तच्छरण	=	तत्	+	शरण		
तच्छरीर	=	तत्	+	शरीर		
तथैव	=	तथा	+	एव		
तट्टीका	=	तद्	+	टीका		
तद्रूप	=	तत्	+	रूप		
तद्धवि	=	तत्	+	हवि		
तदिह	=	तत्	+	इह		
तदस्ति	=	तत्	+	अस्ति		
तदात्म्य	=	तत्	+	आत्म्य		
तदाकार	=	तत्	+	आकार		
तद्धित	=	तत्	+	हित		
तन्मय	=	तत्	+	मय		
तपोवन	=	तपः	+	वन		
तत्त्व	=	तत्	+	त्व		
तल्लय	=	तत्	+	लय		
तच्छिव	=	तत्	+	शिव		
त्वगिन्द्रय	=	त्वक्	+	इन्द्रिय		
तिरस्कृत	=	तिरः	+	कृत		
तिरस्कार	=	तिरः	+	कार		
तल्लीन	=	तत्	+	लीन		
तेऽपि	=	ते	+	अपि		
तत्तनोति	=	तद्	+	तनोति		
तड्डमरु	=	तद्	+	डमरु		
तृष्णा	=	तृष्	+	ना		
तेजोराशि	=	तेजः	+	राशि		
तेजोपुंज	=	तेजः	+	पुंज		
तेऽद्र	=	ते	+	अद्र		
तेजआभास	=	तेजः	+	आभास		
तस्मिन्नारमे	=	तस्मिन्	+	आरामे		
त्रिलोकेश्वर	=	त्रिलोक	+	ईश्वर		
तदुपरान्त	=	तत्	+	उपरान्त		
थनैला	=	थन	+	ऐला		
थुक्काफजीहत	=	थूक	+	फजीहत		
दुष्परिणाम	=	दुः	+	परिणाम		
दुर्बलता	=	दुः	+	बलता		
दुर्घटना	=	दुः	+	घटना		
दुर्दिन	=	दुः	+	दिन		
देशान्तर	=	देश	+	अंतर		
देशाभिमान	=	देश	+	अभिमान		
देशानुराग	=	देश	+	अनुराग		
देहान्त	=	देह	+	अंत		
देवालय	=	देव	+	आलय		
देवेन्द्र	=	देव	+	इन्द्र		
देवेश	=	देव	+	ईश		
देवर्षि	=	देव	+	ऋषि		
देवैश्वर्य	=	देव	+	ऐश्वर्य		
देवीच्छा	=	देवी	+	इच्छा		
देव्यागम	=	देवी	+	आगम		
दैन्यावस्था	=	दैन्य	+	अवस्था		
दैन्यादि	=	दैन्य	+	आदि		
दृष्टि	=	दृष्	+	ति		
दृष्टान्त	=	दृष्ट	+	अंत		
दन्त्योष्ठ्य	=	दन्त	+	ओष्ठ्य		
दावानल	=	दाव	+	अनल		
दिगन्त	=	दिक्	+	अंत		
दिग्गज	=	दिक्	+	गज		
दिनेश	=	दिन	+	ईश		
दिगम्बर	=	दिक्	+	अम्बर		
दिग्भाग	=	दिक्	+	भाग		
दिग्हस्ती	=	दिक्	+	हस्ती		

दिङ्नाग	=	दिक्	+	नाग		
दुर्लभ	=	दुः	+	लभ		
दुःखात्मक	=	दुख	+	आत्मक		
दुर्बल	=	दुः	+	बल		
दुरन्त	=	दुः	+	अंत		
दुर्जन	=	दुः	+	जन		
दुस्साहस	=	दुः	+	साहस		
दुरुपयोग	=	दुः	+	उपयोग		
दुश्शासन	=	दुः	+	शासन		
दुष्कर्म	=	दुः	+	कर्म		
दुःख	=	दुः	+	ख		
दुःखान्त	=	दुःख	+	अंत		
दुष्कर	=	दुः	+	कर		
दुस्तर	=	दुः	+	तर		
दुर्नीति	=	दुः	+	नीति		
दुर्निवार	=	दुः	+	निवार		
धनान्ध	=	धन	+	अन्ध		
धनुर्धर	=	धनुः	+	धर		
धनुष्टंकार	=	धनुः	+	टंकार		
धनित्व	=	धनिन्	+	त्व		
धर्मोपदेश	=	धर्म	+	उपदेश		
धर्माधिकारी	=	धर्म	+	अधिकारी		
ध्यानावस्थित	=	ध्यान	+	अवस्थित		
नद्यूर्मि	=	नदी	+	ऊर्मि		
नवोऽकुंर	=	नव	+	अंकुर		
नरेश	=	नर	+	ईश		
नायक	=	नै	+	अक		
नाविक	=	नौ	+	इक		
नास्ति	=	न	+	अस्ति		
नारायण	=	नार	+	अयन		
नागाधिराज	=	नाग	+	अधिराज		
नवोढ़ा	=	नव	+	ऊढ़ा		
नमस्कार	=	नमः	+	कार		
नष्ट	=	नष्	+	त		
नरेश	=	नर	+	ईश		
नयन	=	ने	+	अन		
नद्यर्पण	=	नदी	+	अर्पण		
न्यून	=	नि	+	ऊन		
नयनाभिराम	=	नयन	+	अभिराम		
नदीश	=	नदी	+	ईश		
निर्झर	=	निः	+	झर		
निष्फल	=	निः	+	फल		
निर्मल	=	निः	+	मल		
निर्जन	=	निः	+	जन		
निष्पाप	=	निः	+	पाप		
निर्जल	=	निः	+	जल		
निष्पक्ष	=	निः	+	पक्ष		
निस्सार	=	निः	+	सार		
निस्तार	=	निः	+	तार		
निर्धन	=	निः	+	धन		
निर्माण	=	निः	+	मान		
निर्दोष	=	निः	+	दोष		
निस्तेज	=	निः	+	तेज		
निर्घोषित	=	निः	+	घोषित		
निर्भीकता	=	निः	+	भीकता		
निरर्थ	=	निः	+	अर्थ		
निरौषध	=	निः	+	औषध		
निष्कपट	=	निः	+	कपट		
निर्हस्त	=	निः	+	हस्त		
निरिच्छा	=	निः	+	इच्छा		
निराशा	=	निः	+	आशा		
निश्छिद्र	=	निः	+	छिद्र		
निषिद्ध	=	निः	+	सिद्ध		
निर्विकार	=	निः	+	विकार		
निष्काम	=	निः	+	काम		
निरन्तर	=	निः	+	अंतर		
निर्वासित	=	निः	+	वासित		
नीरेफ	=	निः	+	रेफ		
नीरन्ध्र	=	निः	+	रन्ध्र		
नीरस	=	निः	+	रस		
निश्छल	=	निः	+	छल		
निर्गुण	=	निः	+	गुण		
निराधार	=	निः	+	आधार		
निरक्षर	=	निः	+	अक्षर		
निगमागम	=	निगम	+	आगम		
नीरोग	=	निः	+	रोग		
नीरव	=	निः	+	रव		
निर्जीव	=	निः	+	जीव		
निर्बल	=	निः	+	बल		
निर्बलात्मा	=	निर्बल	+	आत्मा		
निर्दोष	=	निः	+	दोष		
निराकार	=	निः	+	आकार		
निर्णय	=	निः	+	नय		
निर्भ्रान्ति	=	निः	+	भ्रान्ति		
निर्भर	=	निः	+	भर		
निर्द्वन्द्व	=	निः	+	द्वन्द्व		
निस्सन्देह	=	निः	+	संदेह		
निश्चित	=	निः	+	चित		
निश्चय	=	निः	+	चय		
निष्क्रिय	=	निः	+	क्रिय		
निर्विरोध	=	निः	+	विरोध		
निस्सहाय	=	निः	+	सहाय		
निरीक्षण	=	निः	+	ईक्षण		
निरुपाय	=	निः	+	उपाय		
निश्चल	=	निः	+	चल		
निरर्थक	=	निः	+	अर्थक		
निष्फल	=	निः	+	फल		
न्यूनातिन्यून	=	न्यून	+	अति	+	न्यून
नियमानुसार	=	नियम	+	अनुसार		

(प वर्ग)

पच्छाक	=	पच्	+	शाक
पदाक्रान्त	=	पद	+	आक्रान्त
पवन	=	पो	+	अन
पयोद	=	पयः	+	द

परमार्थ	=	परम	+	अर्थ
परमात्मा	=	परम	+	आत्मा
परमौषध	=	परम	+	औषध
परमेश्वर	=	परम	+	ईश्वर
परमैश्वर्य	=	परम	+	ऐश्वर्य
परमाद्रि	=	परम	+	अद्रि
परन्तु	=	परम्	+	तु
पराधीन	=	पर	+	अधीन
परमाणु	=	परम	+	अणु
पराङ्मुख	=	पराक्	+	मुख
परिच्छेद	=	परि	+	छेद
परोपकार	=	पर	+	उपकार
पर्याप्त	=	परि	+	आप्त
परीक्षा	=	परि	+	ईक्षा
पश्वधम	=	पशु	+	अधम
पयोमान	=	पयः	+	मान
पंचम	=	पंम्	+	चम
पंचांग	=	पंच	+	अंग
पवित्र	=	पो	+	इत्र
पावक	=	पौ	+	अक
पावन	=	पौ	+	अन
परिष्कार	=	परिः	+	कार
पित्रर्थ	=	पितृ	+	अर्थ
पितृऋण	=	पितृ	+	ऋण
पित्रादि	=	पितृ	+	आदि
पितारक्ष	=	पितः	+	रक्ष
पीताम्बर	=	पीत	+	अम्बर
पुरस्कार	=	पुरः	+	कार
पुरस्कृत	=	पुरः	+	कृत
पुनरुक्ति	=	पुनः	+	उक्ति
पुष्ट	=	पुष्	+	त
पुनरुत्थान	=	पुनः	+	उत्थान
पुनर्जन्म	=	पुनः	+	जन्म
पुनर्रचना	=	पुनः	+	रचना
पृष्ठ	=	पृष्	+	थ
पुस्तकालय	=	पुस्तक	+	आलय
परमावश्यक	=	परम	+	आवश्यक
प्रमाण	=	प्र	+	मान
प्रहार	=	प्र	+	हार
प्रत्याचरण	=	प्रति	+	आचरण
प्रतीत	=	प्रति	+	इत
प्रत्यक्ष	=	प्रति	+	अक्ष
प्रत्याख्यान	=	प्रति	+	आख्यान
प्रजार्थ	=	प्रजा	+	अर्थ
प्रत्यक्षात्मा	=	प्रत्यक्ष	+	आत्मा
प्रत्युपकार	=	प्रति	+	उपकार
प्रत्येक	=	प्रति	+	एक
प्रत्युत्पन्न	=	प्रति	+	उत्पन्न
प्रतिच्छाया	=	प्रति	+	छाया
प्रतिच्छवि	=	प्रति	+	छवि
प्रलयंकर	=	प्रलयम्	+	कर
प्रार्थना	=	प्र	+	अर्थना
प्रांगण	=	प्र	+	अगण
प्रातःकाल	=	प्रातः	+	काल
प्राणिमात्र	=	प्राणिन	+	मात्र
प्राणेश्वर	=	प्राण	+	ईश्वर
प्रोत्साह	=	प्र	+	उत्साह
प्रोत्साहन	=	प्र	+	उत्साहन
प्रोज्ज्वल	=	प्र	+	उज्ज्वल
प्रौढ़	=	प्र	+	ऊढ़
प्रथमोध्याय	=	प्रथमः	+	अध्याय
फलाहारी	=	फल	+	आहारी
फलागम	=	फल	+	आगम
बलात्कार	=	बलात्	+	कार
बहिष्पट्	=	बहिः	+	पट्
बहिर्देश	=	बहिः	+	देश
बहिर्योग	=	बहिः	+	योग
बहिर्भाग	=	बहिः	+	भाग
बिंबोष्ठ्य	=	बिंब	+	ओष्ठ्य
बृहद्रथ	=	बृहत्	+	रथ
ब्रह्मास्त्र	=	ब्रह्म	+	अस्त्र
ब्रह्मानन्द	=	ब्रह्म	+	आनन्द
ब्रह्मर्षि	=	ब्रह्म	+	ऋषि
बहिर्मुख	=	बहिः	+	मुख
बहिष्कार	=	बहिः	+	कार
भगवद्गीता	=	भगवत्	+	गीता
भरण	=	भर	+	अन
भवन	=	भो	+	अन
भारतेन्दु	=	भारत	+	इन्दु
भाविनी	=	भौ	+	इनी
भावुक	=	भौ	+	उक
भास्कर	=	भाः	+	कर
भास्पति	=	भाः	+	पति
भानूदय	=	भानु	+	उदय
भावोन्मेष	=	भाव	+	उन्मेष
भिन्न	=	भिद्	+	न
भूर्जित	=	भू	+	उर्जित
भूदार	=	भू	+	उदार
भूषण	=	भूष्	+	अन
भगवद्भक्ति	=	भगवत्	+	भक्ति
भविष्यद्वाणी	=	भविष्यत्	+	वाणी
मकराकृत	=	मकर	+	आकृत
मतैक्य	=	मत	+	ऐक्य
मतैकता	=	मत	+	एकता
मन्वन्तर	=	मनु	+	अंतर
मनस्पात	=	मनः	+	ताप
मनोहर	=	मनः	+	हर
मनोरंजन	=	मनः	+	रंजन
मनोवैज्ञानिक	=	मनः	+	वैज्ञानिक
मनोयोग	=	मनः	+	योग
मनोऽनुसार	=	मनः	+	अनुसार
मनोरथ	=	मनः	+	रथ
मनोविकार	=	मनः	+	विकार
मनोनीत	=	मनः	+	नीत

मनोभाव	=	मनः	+	भाव		
मनोज	=	मनः	+	ज		
मनोऽवधान	=	मनः	+	अवधान		
महर्षि	=	महा	+	ऋषि		
महच्छत्र	=	महत्	+	छत्र		
महाशय	=	महा	+	आशय		
महात्मा	=	महा	+	आत्मा		
महत्त्व	=	महत्	+	त्व		
महदोज	=	महत्	+	ओज		
महीश्वर	=	मही	+	ईश्वर		
महेन्द्र	=	मही	+	इन्द्र		
महैश्वर्य	=	महा	+	ऐश्वर्य		
महेन्द्र	=	महा	+	इन्द्र		
महालाभ	=	महान्	+	लाभ		
महोरु	=	महा	+	ऊरु		
महोत्सव	=	महा	+	उत्सव		
महीश	=	महि	+	ईश		
महौज	=	महा	+	ओज		
महौदार्य	=	महा	+	औदार्य		
महेश्वर	=	महा	+	ईश्वर		
महौषधि	=	महा	+	औषधि		
महेश	=	महा	+	ईश		
मायाधीन	=	माया	+	अधीन		
मातृऋण	=	मातृ	+	ऋण		
मात्रानन्द	=	मातृ	+	आनन्द		
मुनीश्वर	=	मुनि	+	ईश्वर		
मृत्युञ्जय	=	मृत्युम्	+	जय		
मन्त्रोच्चारण	=	मंत्र	+	उत्	+	चारण
महामात्य	=	महा	+	अमात्य		

(य, र, ल, व)

यज्ञ	=	यज्	+	न		
यथेष्ट	=	यथा	+	इष्ट		
यद्यपि	=	यदि	+	अपि		
यशोदा	=	यशः	+	दा		
याच्ञा	=	याच्	+	ना		
यवनावनि	=	यवन	+	अवनि		
यशोधरा	=	यशः	+	धरा		
यशोलाभ	=	यशः	+	लाभ		
युधिष्ठिर	=	युधि	+	स्थिर		
योऽसि	=	यो	+	असि		
यशोऽभिलाषी	=	यशः	+	अभिलाषी		
रजकण	=	रजः	+	कण		
रत्नाकर	=	रत्न	+	आकर		
रमेश	=	रमा	+	ईश		
रवीन्द्र	=	रवि	+	इन्द्र		
रसातल	=	रसा	+	अतल		
रसास्वादन	=	रस	+	आस्वादन		
राजाज्ञा	=	राजा	+	आज्ञा		
रामावतार	=	राम	+	अवतार		
रामायण	=	राम	+	अयन		
रुद्रावतार	=	रुद्र	+	अवतार		

रेखांश	=	रेखा	+	अंश		
रसायन	=	रस	+	अयन		
रहस्याधिकारी	=	रहस्य	+	अधिकारी		
लघूर्मि	=	लघु	+	ऊर्मि		
लक्ष्मीश	=	लक्ष्मी	+	ईश		
लोकोत्तर	=	लोक	+	उत्तर		
लोकोपकार	=	लोक	+	उपकार		
लम्बोदर	=	लम्ब	+	उदर		
वधूर्मिका	=	वधू	+	उर्मिका		
वनस्पति	=	वनः	+	पति		
वयोवृद्ध	=	वयः	+	वृद्ध		
व्यर्थ	=	वि	+	अर्थ		
व्यस्त	=	वि	+	अस्त		
व्यवहार	=	वि	+	अवहार		
व्यभिचार	=	वि	+	अभिचार		
व्यायाम	=	वि	+	आयाम		
व्यापकता	=	वि	+	आपकता		
व्यापी	=	वि	+	आपी		
व्याप्त	=	वि	+	आप्त		
व्यापक	=	वि	+	आपक		
वाक्शूर	=	वाक्	+	शूर		
वाक्कलह	=	वाक्	+	कलह		
वाग्जाल	=	वाक्	+	जाल		
वागीश	=	वाक्	+	ईश		
वार्तालाप	=	वार्ता	+	आलाप		
वाङ्मय	=	वाक्	+	मय		
वातावरण	=	वात	+	आवरण		
वाग्रोध	=	वाक्	+	रोध		
वारीश	=	वारि	+	ईश		
वाग्दान	=	वाक्	+	दान		
विधूदय	=	विधु	+	उदय		
विपज्जाल	=	विपद्	+	जाल		
विद्यालय	=	विद्या	+	आलय		
विद्यार्थी	=	विद्या	+	अर्थी		
विच्छेद	=	वि	+	छेद		
विद्योपदेश	=	विद्या	+	उपदेश		
विन्यास	=	वि + नि	+	आस		
विमलोदक	=	विमल	+	उदक		
विपल्लीन	=	विपद्	+	लीन		
विश्वामित्र	=	विश्व	+	अमित्र		
विषम	=	वि	+	सम		
वधूचित	=	वधू	+	उचित		
वधूत्सव	=	वधू	+	उत्सव		
विस्मरण	=	वि	+	स्मरण		
वृद्धावस्था	=	वृद्ध	+	अवस्था		
वृक्षच्छाया	=	वृक्ष	+	छाया		
वृहदाकार	=	वृहत्	+	आकार		
विशेषोन्मुख	=	विशेष	+	उन्मुख		
विरुदावली	=	विरुद	+	अवली		

(श, ष, स, ह)

शताब्दी	=	शत	+	अब्दी		
शरच्चंद्र	=	शरत्	+	चन्द्र		

शस्त्रास्त्र = शस्त्र + अस्त्र
शिरोमणि = शिरः + मणि
शिलारोपण = शिला + आरोपण
शुद्धोदन = शुद्ध + ओदन
शेषांश = शेष + अंश
शीघ्रातिशीघ्र = शीघ्र + अतिशीघ्र
श्वासोच्छ्वास = श्वास + उत् + श्वास
षड्दर्शन = षट् + दर्शन
षोडशोपचार = षोडस + उपचार
षडानन = षट् + आनन
संकोच = सम् + कोच
संतप्त = सम् + तप्त
सतीश = सती + ईश
सद्गुरु = सत् + गुरु
सदाचार = सत् + आचार
सदुत्तर = सत् + उत्तर
सद्वंश = सत् + वंश
सदानन्द = सत् + आनन्द
सद्धर्म = सत् + धर्म
सद्हस्ती = सत् + हस्ती
संतोष = सम् + तोष
संतुष्ट = सम् + तुष्ट
संदेश = सम् + देश
संघर्ष = सम् + घर्ष
समाचार = सम् + आचार
संकट = सम् + कट
संकल्प = सम् + कल्प
समालोचना = सम् + आलोचना
सदैव = सदा + एव
संदेह = सम् + देह
सर्वोच्च = सर्व + उच्च
सम्मुख = सम् + मुख
सत्कार = सत् + कार
सन्नद = सत् + नद
संहारेषण = संहार + एषण
सम्मान = सम् + मान
समीक्षा = सम् + ईक्षा
समुचित = सम् + उचित
संस्कृति = सम् + कृति
संगीत = सम् + गीत
संगठन = सम् + गठन
संतोष = सम् + तोष
सरोवर = सरः + वर
संदेह = सम् + देह
सन्तान = सम् + तान
सद्भावना = सत् + भावना
सदुपयोग = सत् + उपयोग
सरोज = सरः + ज
संसर्ग = सम् + सर्ग
सत्यासक्त = सत्य + आसक्त
सर्वोदय = सर्व + उदय
समाधान = सम् + आधान
सदिच्छा = सत् + इच्छा
समालोचक = सम् + आलोचक
सदाचार = सत् + आचार
सतीच्छा = सती + इच्छा
सदवतार = सत् + अवतार
सद्गति = सत् + गति
सत्कार = सत् + कार
सम्राज = सम् + राज
संकीर्ण = सम् + कीर्ण
संयोग = सम् + योग
संकल्प = सम् + कल्प
संभव = सम् + भव
संयुक्त = सम् + युक्त
संस्कृत = सम् + कृत
संग्राम = सम् + ग्राम
सहायतार्थ = सहायता + अर्थ
सज्जन = सत् + जन
सत्याग्रह = सत्य + आग्रह
सत्साहित्य = सत् + साहित्य
संलग्न = सम् + लग्न
संघाराम = संघ + आराम
समुचित = सम् + उचित
सर्वोपरि = सर्व + उपरि
सर्वांगीण = सर्व + अंगीन
सर्वोत्तम = सर्व + उत्तम
सारांश = सार + अंश
साश्चर्य = स + आश्चर्य
साग्रह = स + आग्रह
सावधान = स + अवधान
साधूहा = साधु + उहा
सिद्धांत = सिद्ध + अन्त
सिंहासन = सिंह + आसन
सुधेच्छा = सुधा + इच्छा
सुन्दरौदन = सुन्दर + ओदन
सुरानुकूल = सुर + अनुकूल
सेवार्थ = सेवा + अर्थ
सोत्साह = स + उत्साह
सोऽहम = सः + अहम्
स्वार्थ = स्व + अर्थ
स्वर्ग = सु + अर्ग
स्वागत = सु + आगत
स्वेच्छा = स्व + इच्छा
सहोदर = सह + उदर
सद्गुण = सत् + गुण
सम्मति = सम् + मति
स्वैर = स्व + ईर
स्वाधीन = स्व + अधीन
सज्जाति = सत् + जाति
समुदाय = सम् + उदाय
समुद्रोर्मि = समुद्र + ऊर्मि
समृद्धि = सम् + ऋद्धि
सप्तर्षि = सप्त + ऋषि

सख्युचित	=	सखी	+	उचित		
सच्छास्त्र	=	सत्	+	शास्त्र		
सम्भव	=	सम्	+	भव		
संवाद	=	सम्	+	वाद		
संपूर्ण	=	सम्	+	पूर्ण		
संतोष	=	सम्	+	तोष		
संक्रान्ति	=	सम्	+	क्रान्ति		
संहार	=	सम्	+	हार		
संयम	=	सम्	+	यम		
संवत्	=	सम्	+	वत्		
संसार	=	सम्	+	सार		
संपर्क	=	सम्	+	पर्क		
सन्धि	=	सम्	+	धि		
संगम	=	सम्	+	गम		
संकोच	=	सम्	+	कोच		
संकल्प	=	सम्	+	कल्प		
संचय	=	सम्	+	चय		
स्थानान्तर	=	स्थान	+	अंतर		
स्वच्छन्द	=	स्व	+	छन्द		
स्वात्मबल	=	स्व	+	आत्मबल		
सुखोपभोग	=	सुख	+	उपभोग		
साभिलाष	=	स	+	अभिलाष		
सावकाश	=	स	+	अवकाश		
सम्मानास्पद	=	सम्	+	मान	+	आस्पद
संग्रहालय	=	सम्	+	ग्रह	+	आलय
सदसद्विवेकिनी	=	सत्	+	असत्	+	विवेकिनी
सच्चिदानन्द	=	सत्	+	चित्	+	आनन्द
सर्वतोभावेन	=	सर्वतः	+	भावेन		
स्वर्गारोहण	=	स्वर्ग	+	आरोहण		
स्वेच्छाचारी	=	स्वेच्छा	+	आचारी		
हरिश्चन्द्र	=	हरिः	+	चन्द्र		
हृदयानन्द	=	हृदय	+	आनन्द		
हताश	=	हत	+	आश		
हितोपदेश	=	हित	+	उपदेश		
हरीच्छा	=	हरि	+	इच्छा		
हिमालय	=	हिम	+	आलय		
हृदयहारिणी	=	हृदय	+	हारिणी		
हिमाच्छादित	=	हिम	+	आच्छादित		
हरेक	=	हर	+	एक		
हृद्देश	=	हृद्	+	देश		

वस्तुनिष्ट प्रश्न

1. दो वर्णों के मेल से होनेवाले विकार को कहते हैं—
(a) संधि (b) समास (c) उपसर्ग (d) प्रत्यय

2. संधि कितने प्रकार के होते हैं ?
(a) 1 (b) 2 (c) 3 (d) 4

3. दयानन्द में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) गुण संधि (b) दीर्घ संधि
(c) व्यंजन संधि (d) यण् संधि

4. हरीश में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) वृद्धि संधि (b) दीर्घ संधि
(c) यण् संधि (d) विसर्ग संधि

5. सदैव में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) व्यंजन संधि (b) स्वर संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बी० एड०, 1996)

6. इनमें कौन स्वर संधि का उदाहरण है ?
(a) संयोग (b) मनोहर (c) नमस्कार (d) पवन
(रेलवे, 1997)

7. निम्नांकित में से कौन-सा शब्द वृद्धि संधि का उदाहरण नहीं है ?
(a) सदैव (b) जलौघ (c) गुरूपदेश (d) परमौदार्य
(रेलवे, 1997)

8. निम्न में से दीर्घ संधि युक्त पद कौन-सा है ?
(a) महर्षि (b) देवेन्द्र (c) सूर्योदय (d) दैत्यारि
(रेलवे, 1997)

9. पवित्र में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) यण संधि (b) गुण संधि
(c) अयादि संधि (d) वृद्धि संधि
(रेलवे, 1997)

10. इत्यादि का सही संधि-विच्छेद है—
(a) इत् + यादि (b) इति + यादि
(c) इत् + आदि (d) इति + आदि
(एल० आई० सी०, 1997)

11. निरर्थक का सही संधि-विच्छेद है—
(a) निर् + अर्थक (b) निरः + अर्थक
(c) निः + अर्थक (d) निरा + अर्थक (रेलवे, 1997)

12. धरेश का सही संधि-विच्छेद है—
(a) धराः + अश (b) धर + ईश
(c) धरा + ईश (d) धरा + इश (रेलवे, 1997)

13. निराशा का सही संधि-विच्छेद है—
(a) निरा + आशा (b) निर् + आशा
(c) निः + आशा (d) निरः + आशा (रेलवे, 1997)

14. महोष्ण का सही संधि-विच्छेद है—
(a) महु + उष्ण (b) महा + ऊष्ण
(c) महो + उष्ण (d) महा + उष्ण
(एल० आई० सी०, 1997)

15. आशीर्वाद का सही संधि-विच्छेद है—
(a) आशीर + वाद (b) आशीः + वाद
(c) आर्शी + वाद (d) इनमें से कोई नहीं
(रेलवे, 1997)

16. महेश का सही संधि-विच्छेद है—
(a) महो + ईश (b) महा + ईश
(c) मही + ईश (d) महि + ईश
(एल० आई० सी०, 1997)

17. सम्मति का सही संधि-विच्छेद है—
(a) सम् + मति (b) सन् + मति
(c) सद् + मति (d) सत् + मति (रेलवे, 1997)

18. अन्वय का सही संधि-विच्छेद है—
(a) अनु + अय (b) अनू + आय
(c) अनू + अय (d) अनु + आय
(एल० आई० सी०, 1997)

19. परोपकार में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) विसर्ग संधि (b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) यण् संधि (रेलवे, 1998)

20. निम्नांकित में से कौन सा शब्द स्वर संधि का उदाहरण है ?
(a) अधोगति (b) उच्चारण
(c) दिग्गज (d) मन्वन्तर *(रेलवे, 1998)*

21. निश्चल का सही संधि-विच्छेद है—
(a) नीः + चल (b) निश् + चल
(c) निस् + चल (d) निः + चल *(रेलवे, 1998)*

22. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें विसर्ग संधि है ?
(a) उज्ज्वल (b) निश्चल
(c) राजेन्द्र (d) दुर्गम *(बी० एड०, 1999)*

23. सप्तर्षि का सही संधि-विच्छेद है—
(a) सप्तर + ऋषि (b) सप्तः + ऋषि
(c) सप्त + ऋषि (d) इनमें से कोई नहीं *(रेलवे, 1999)*

24. तपोवन में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं *(बी० एड०, 2000)*

25. स्वागत में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) व्यंजन संधि (b) यण् संधि
(c) दीर्घ संधि (d) वृद्धि संधि *(रेलवे, 2000)*

26. दिगम्बर में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं *(बी० एड०, 2000)*

27. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें स्वर संधि है—
(a) अतएव (b) रजनीश
(c) तपोगुण (d) सदाचार *(बी० एड०, 2000)*

28. प्रत्युपकार का सही संधि-विच्छेद है—
(a) प्रत् + उपकार (b) प्रती + उपकार
(c) प्रति + उपकार (d) प्रति + अपकार *(रेलवे, 2000)*

29. गायक का सही संधि-विच्छेद है—
(a) गा + अक (b) गै + अक
(c) गे + यक (d) गै + यक *(रेलवे, 2000)*

30. अभिषेक का सही संधि-विच्छेद है—
(a) अभि + षेक (b) अभि + सेक
(c) अभिः + शेक (d) अभिय + सेक *(रेलवे, 2000)*

31. यद्यपि में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) गुण संधि (b) अयादि संधि
(c) यण् संधि (d) दीर्घ संधि *(रेलवे, 2001)*

32. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें स्वर संधि है ?
(a) अधोमुख (b) सज्जन
(c) वाग्जाल (d) महोदधि *(रेलवे, 2001)*

33. पवित्र का सही संधि-विच्छेद है—
(a) पव् + इत्र (b) पवः + इत्र
(c) पौ + इत्र (d) पो + इत्र
(उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग परीक्षा, 2001)

34. मनोयोग का सही संधि-विच्छेद है—
(a) मनोः + योग (b) मनः + योग
(c) मनः + आयोग (d) इनमें से कोई नहीं
(उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग परीक्षा, 2001)

35. प्रत्येक का सही संधि-विच्छेद है—
(a) प्रनि + एक (b) प्रतिः + एक
(c) प्रति + अक (d) प्रती + एक
(उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग परीक्षा, 2001)

36. गिरीश का सही संधि-विच्छेद है—
(a) गिरि + इश (b) गिरि + ईश
(c) गिर् + इश (d) गिर् + ईश
(उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग परीक्षा, 200

37. नायक में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) दीर्घ संधि (b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) अयादि संधि
(बैंक परीक्षा, 200

38. चन्द्रोदय में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) यण् संधि (b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) दीर्घ संधि *(बैंक परीक्षा, 20*

39. यशोदा में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बैंक परीक्षा, 20

40. निम्नलिखित में एक शब्द संधि की दृष्टि से अशुद्ध है, उस शब्द का चयन कीजिए—
(a) तथैव (b) तथापि
(c) तदाकार (d) तदोपरान्त
(सब इंसपेक्टर परीक्षा, 20

41. अभ्युदय शब्द में कौन-सी संधि है ?
(a) गुण (b) अयादि (c) यण् (d) दीर्घ
(सब इंसपेक्टर परीक्षा, 20

42. स्वर संधि के कितने भेद हैं ?
(a) 3 (b) 4 (c) 5 (d) 7
(बैंक परीक्षा, 20

43. स्वर संधि का उदाहरण कौन-सा है ?
(a) वागीश (b) दिगंबर (c) रत्नाकर (d) दुष्कर्म
(बैंक परीक्षा, 20

44. व्यर्थ शब्द में किन वर्णों की संधि हुई है ?
(a) इ + अ (b) इ + उ (c) इ + ए (d) ई + अ
(बैंक परीक्षा, 20

45. घुड़दौड़ का सही संधि-विच्छेद है—
(a) घुड़ + दौड़ (b) घोड़ + दौड़
(c) घोड़ा + दौड़ (d) इनमें से कोई नहीं
(सब इंसपेक्टर परीक्षा, 20

46. महोदय का सही संधि-विच्छेद है—
(a) महो + दय (b) महा + ओदय
(c) महान + उदय (d) महा + उदय
(बी० पी० एस० सी०, 2

47. तन्मय का सही संधि-विच्छेद है—
(a) तन् + मय (b) तम् + अय
(c) तत् + मय (d) तन् + अमय
(बी० पी० एस० सी०, 2

48. उद्धरण का सही संधि-विच्छेद है—
(a) उत् + धरण (b) उत् + अण
(c) उत् + हरण (d) उद्ध + रण
(बैंक परीक्षा, 2

49. तेजोमय का सही संधि-विच्छेद है—
(a) तेज + ओमय (b) तेजः + अमय
(c) तेजः + मय (d) तेजो + मय
(बैंक परीक्षा, 2

50. राकेश का सही संधि-विच्छेद है—
(a) राके + श (b) राक + ईश
(c) राका + इश (d) राका + ईश
(सब इंसपेक्टर परीक्षा,

51. नीरोग में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बी० एड०, 2003)

52. निर्जन में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बी० एड०, 2003)

53. वातानुकूल का सही संधि विच्छेद है—
(a) वात + अनुकूल (b) वात + अनूकुल
(c) वाता + अनुकूल (d) वाता + अनूकुल
(पी० सी० एस०, 2003)

54. ब्रह्मास्त्र का सही संधि-विच्छेद है—
(a) ब्रह्म + अस्त्र (b) ब्रह्मा + अस्त्र
(c) बह्म + अस्त्र (d) ब्रह्मः + अस्त्र
(पी० सी० एस०, 2003)

55. उच्छवास का सही संधि-विच्छेद है—
(a) उच् + श्वास (b) उत् + श्वास
(c) उद् + श्वास (d) उच्छ + वास
(बी० एड०, 2004)

56. प्रत्युत्तर का सही संधि-विच्छेद है—
(a) प्र + त्युत्तर (b) प्रति + उत्तर
(c) प्रति + युत्तर (d) प्रत्यु + उत्तर
(बी० एड०, 2004)

57. नमस्ते का सही संधि-विच्छेद है—
(a) नम + स्ते (b) नम् + स्ते
(c) नमः + स्ते (d) नमः + ते *(बी० एड०, 2004)*

58. संतोष का सही संधि-विच्छेद है—
(a) सम् + तोष (b) सम + तोष
(c) सः + तोष (d) सन् + तोष
(बी० एड०, 2004)

59. उज्ज्वल का सही संधि-विच्छेद है—
(a) उत् + जबल (b) उत् + ज्वल
(c) उत + जल (d) उत + ज्वल
(बी० एड०, 2004)

60. विश्वामित्र का सही संधि-विच्छेद है—
(a) विश्व + मित्र (b) विश्वा + मित्र
(c) विश्वः + मित्र (d) विश्व + अमित्र
(बी० एड०, 2004)

61. संगम का सही संधि-विच्छेद है—
(a) सम + गम (b) सम् + गम
(c) सङ् + गम (d) सन् + गम
(बी० एड०, 2004)

62. स्वागतम् में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) यण् संधि (b) गुण संधि
(c) दीर्घ संधि (d) वृद्धि संधि *(बी० एड०, 2004)*

63. भानूदय में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) व्यंजन संधि (b) दीर्घ संधि
(c) गुण संधि (d) वृद्धि संधि *(बी० एड०, 2005)*

64. सूर्योदय में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) गुण संधि (b) वृद्धि संधि
(c) यण् संधि (d) दीर्घ संधि *(बी० एड०, 2005)*

65. हरिश्चन्द्र में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बी० एड०, 2005)

66. उच्चारण में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) व्यंजन संधि (b) स्वर संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(बी० एड०, 2005)

67. उल्लेख का सही संधि-विच्छेद है—
(a) उल् + लेख (b) उत् + लेख
(c) उल्ल + लेख (d) उ + ल्लेख
(बी० एड०, 2005)

68. अत्याचार का सही संधि-विच्छेद है—
(a) अत्य + आचार (b) अति + चार
(c) अत्या + चार (d) अति + आचार
(बी० एड०, 2005)

69. दिगम्बर का सही संधि-विच्छेद है—
(a) दिग् + अम्बर (b) दिक् + अम्बर
(c) दिग + अम्बर (d) दिक + अम्बर
(बी० एड०, 2005)

70. उड्डयनम् का सही संधि-विच्छेद है—
(a) उत् + डयनम (b) उड् + डयनम
(c) उद् + डयनम (d) उड + डयनम
(प्रवक्ता भर्ती परीक्षा, 2006)

71. निर्विकार में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं

72. सत्याग्रह में प्रयुक्त संधि का नाम है—
(a) दीर्घ संधि (b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) यण् संधि

73. श्रावण का सही संधि-विच्छेद है—
(a) श्रौ + अण (b) श्राव + अन
(c) श्राव + अण् (d) श्री + अन

74. काव्योर्मि का सही संधि-विच्छेद है—
(a) काव्य + ओर्मि (b) काव्य + उर्मि
(c) कवि + उर्मि (d) का + व्योर्मि

75. सत्याग्रह का सही संधि-विच्छेद है—
(a) सत्या + ग्रह (b) सत + आग्रह
(c) सत्य + ग्रह (d) सत्य + आग्रह

76. 'निरुत्तर' शब्द का शुद्ध संधि-विच्छेद है—
(a) नि + उत्तर (b) निः + उत्तर
(c) निर + उत्तर (d) निः + उत्तर
(हरियाणा बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2007)

77. मनः + भाव = ?
(a) मन्भाव (b) मनहयाव (c) मनोभाव (d) मनयाव
(मध्य प्रदेश प्री बी.एड. परीक्षा, 2007)

78. निः + विकार = ?
(a) निविकार (b) निर्विकार (c) निबिकार (d) निहविकार
(मध्य प्रदेश प्री बी.एड. परीक्षा, 2007)

79. सज्जन का संधि-विच्छेद क्या है ?
(a) सज + जन (b) सत् + जन
(c) सज्ज + न (d) स + ज्जन
(मध्य प्रदेश प्री बी.एड. परीक्षा, 2007)

80. सन्मार्ग में प्रयुक्त संधि है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2008)

81. ज्ञानोदय में प्रयुक्त संधि है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2008)

82. निराधार में प्रयुक्त संधि है—
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) इनमें से कोई नहीं
(उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2008)

83. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें विसर्ग संधि है ?
(a) अतएव (b) नरेन्द्र
(c) सज्जन (d) सदैव
(उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2008)

84. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें व्यंजन संधि है ?
(a) सप्तर्षि (b) निराधार
(c) सत्कार (d) हिमालय
(उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2008)

85. 'अ + इ = ए' स्वर संधि के किस भेद को व्यक्त करता है ?
(a) दीर्घ-संधि (b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि (d) यण् संधि
(बिहार पुलिस सब-इंसपेक्टर परीक्षा, 2008)

86. सत् + चरित्र = सच्चरित्र किस संधि का उदाहरण है ?
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) दीर्घ संधि
(बिहार पुलिस सब-इंसपेक्टर परीक्षा, 2008)

87. अधः + गति = अधोगति किस संधि का उदाहरण है ?
(a) स्वर संधि (b) विसर्ग संधि
(c) व्यंजन संधि (d) गुण संधि
(बिहार पुलिस सब-इंसपेक्टर परीक्षा, 2008)

88. उत् + हार के योग से कौन-सा शब्द बनेगा ?
(a) उतार (b) आहार (c) उदार (d) उद्
(राजस्थान बी० एड० प्रवेश परीक्षा, 20

89. 'दृगंचल' का सही संधि-विच्छेद है—
(a) दृग + अंचल (b) दृगं + अचल
(c) दृक् + अंचल (d) दृग + चल
(राजस्थान बी० एड०, 20

90. 'पर्यावरण' शब्द का सन्धि-विच्छेद कौन-सा है ?
(a) पर्या + वरण (b) परि + आवरण
(c) परिघ + आवरण (d) परिघि + आवरण
(उत्तराखण्ड पुलिस सब-इंसपेक्टर परीक्षा, 20

91. 'पवन' का संधि-विच्छेद क्या है ?
(a) प + अवन (b) प + वन
(c) पो + अन (d) पौ + अन
(झारखण्ड शिक्षक नियुक्ति परीक्षा, 20

92. 'यथार्थ' में कौन-सी संधि है ?
(a) दीर्घ (b) यण्
(c) गुण (d) वृद्धि *(आर.आर. बी., 20*

93. 'महोदय' में कौन-सी संधि है ?
(a) दीर्घ (b) यण् (c) गुण (d) वृद्धि
(आर.आर. बी., 20

94. 'मतैक्य' में कौन-सी संधि है ?
(a) दीर्घ (b) यण्
(c) गुण (d) वृद्धि *(आर.आर. बी., 20*

उत्तरमाला

1. (a)	2. (c)	3. (b)	4. (b)	5. (b)	6. (d)	7. (c)	8. (d)	9. (c)	10. (d)	11. (c)	12. (c
13. (c)	14. (d)	15. (b)	16. (b)	17. (d)	18. (a)	19. (b)	20. (d)	21. (d)	22. (b)	23. (c)	24. (c
25. (b)	26. (b)	27. (b)	28. (c)	29. (b)	30. (b)	31. (c)	32. (d)	33. (d)	34. (b)	35. (a)	36. (b
37. (d)	38. (b)	39. (c)	40. (d)	41. (c)	42. (c)	43. (c)	44. (a)	45. (c)	46. (d)	47. (c)	48. (a
49. (c)	50. (d)	51. (c)	52. (c)	53. (a)	54. (a)	55. (b)	56. (b)	57. (d)	58. (a)	59. (b)	60. (d
61. (b)	62. (a)	63. (b)	64. (a)	65. (c)	66. (a)	67. (b)	68. (d)	69. (b)	70. (a)	71. (c)	72. (a
73. (d)	74. (b)	75. (d)	76. (d)	77. (c)	78. (b)	79. (b)	80. (b)	81. (a)	82. (c)	83. (a)	84. (c
85. (b)	86. (b)	87. (b)	88. (d)	89. (c)	90. (b)	91. (c)	92. (a)	93. (c)	94. (d)		

★★★